आधुनिक टैक्नोलॉजी का सुखदायी से दुःखदायी हो जाना ।

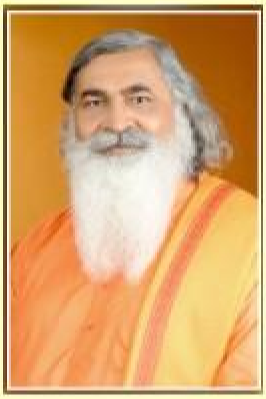

Aacharya Satyanarayana
info@meerahospital.com
9314877066, 9414827066

आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया ने यह बताया कि आधुनिक टैक्नोलॉजी मनुष्य के लिए सुखदायी होती है परन्तु यदि अज्ञानतावश प्रयोग किया जाये, तो यही हमारे लिए दुःखदायी बन जाती है।

वॉट्सऐप बहुत सुखदायी टैक्नोलॉजी है। इसमें आप अपने ग्रुप बना सकते हैं, दूसरे लोग आपको अपने ग्रुप में शामिल कर सकते हैं और एक बटन दबाने से आपका मेसेज, फोटो या विडियो ग्रुप के सभी सदस्यों में शेयर हो जाता है। ग्रुप के दूसरे सदस्य भी कोई अच्छा चित्र, विडियो, समाचार, कविता, जोक्स, जो उनको अच्छे लगते हैं, वे ग्रुप में शेयर कर देते हैं। ग्रुप के सदस्य ने कोई अच्छा कार्य किया हो या कोई निमंत्रण देना हो तो वह एक साथ दिया जा सकता है। परन्तु कुछ लोग इस वॉट्सऐप ग्रुप का मतलब नहीं समझते हैं। वे अपने ग्रुप में ही बातचीत शुरू कर देते हैं, परिणाम यह होता है कि वह बातचीत ग्रुप के सभी सदस्यों तक अनावश्यक ही पहुँच जाती है। ऐसे अनजान लोगों को यह भी समझ में नहीं आता है कि जब भी वॉट्सऐप पर कोई मेसेज आता है, तो नोटिफिकेशन की एक घण्टी पूरे ग्रुप के सभी सदस्यों के फोन पर बजती है, यदि वॉट्सऐप ग्रुप में पचास सदस्य हैं, तो पचास सदस्यों के फोन पर रिंग (ट्यून) बजेगी और उन सभी को बिना वजह बार–बार अपना फोन उठाकर चैक करना होगा कि क्या मैसेज आया है ? इस प्रकार से दो व्यक्तियों की आपस की बातचीत पूरे ग्रुप के पचास सदस्यों को बार–बार घण्टी बजाकर परेशान करेगी। इसलिए कभी भी हमें ग्रुप के सदस्यों को आपस में बातें करके परेशान नहीं करना चाहिए।

इसलिए जब कभी किसी ग्रुप मैम्बर से कोई बातचीत करना हो या किसी व्यक्ति विशेष को मेसेज देना हो, तो उसके व्यक्तिगत फोन नम्बर पर ही देना चाहिए, ना कि पूरे ग्रुप में देना चाहिए। इसी कारण से कई लोग ग्रुप से बाहर निकल जाते हैं कि वॉट्सऐप के मेसेज की घण्टियाँ बजना उनके लिए सरदर्द का कारण बन जाती है। ग्रुप में बहुत अधिक मैसेज का आदान–प्रदान होने से महत्त्वपूर्ण सूचनाऐं तो पढ़ने से छूट जाती हैं और अनावश्यक मेसेज डिलीट करने में बहुत–सा समय बर्बाद हो जाता है। भगवान के फोटो, विडियो को डिलीट करना अच्छा भी नहीं लगता है। कई बार तो वॉट्सऐप पर ही यह जोक्स आता है कि वॉट्सऐप के मेसेज डिलीट करने के लिए एक मजदूर चाहिए।

वाट्सऐप आप सभी के लिए उपयोगी बनें। आपके ग्रुप में आपका आपस में प्रेम बढ़े। आपका मंगल हो, इन्ही शुभकामनाओं के साथ,

आपका शुभाकांक्षी

सत्यनारायण

आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया